प्रतिरोधी टीबी का इलाज

पिछले वर्षों में टीबी का प्रकोप बढ़ा है और चिंता का विषय यह रहा है कि टीबी अब कई मौजूदा दवाइयों की प्रतिरोधी हो गई है। टीबी का दवा प्रतिरोधी होना जन स्वास्थ्य की एक प्रमुख समस्या बनकर सामने आई है। मगर अब खबर है कि एक ऐसी दवा खोज ली गई है जो प्रतिरोधी टीबी के खिलाफ कारगर है और इससे टीबी के उपचार में लगने वाला समय भी कम हो जाएगा।

इस नई दवा का नाम है पीएएमज़ेड। दरअसल यह दवाइयों का एक मिश्रण है जिसमें एक दवा तो वही है जो पहले भी टीबी के इलाज में उपयोग की जाती थी - पायरीज़िनेमाइड। इसके साथ मॉक्सिफ्लॉक्सेसिन और एक अन्य दवा पीए-824 मिलाई गई है। इन दोनों का उपयोग टीबी के इलाज में नहीं किया जाता था हालांकि पीए-824 की टीबी के खिलाफ प्रभाविता की खबरें 2001 में ही मिल चुकी थीं।

परीक्षण के दौरान देखा गया है कि पीएएमज़ेड टीबी बैक्टीरिया (*मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस*) की कई प्रतिरोधी किस्मों का खात्मा कर देती है। इनमें वे प्रतिरोधी बैक्टीरिया शामिल हैं जो दक्षिण अफ्रीका, भारत और पूर्व सोवियत देशों में टीबी फैलाते हैं। और तो और, पीएएमज़ेड को यह काम करने के लिए सामान्य की अपेक्षा तीन गुना कम गोलियों की ज़रूरत होती है और लागत भी पहले से 10 गुना कम आती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के टीबी विरोधी अभियान के निदेशक मारियो रेविग्लियोन का मत है कि पीएएमज़ेड सचमुच एक समाधान है और यह सस्ता, कम विषैला तथा आसान है।

दी लैंसेट में प्रकाशित शोध पत्र के मुताबिक पीएएमज़ेड के असर का अंदाज़ दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में लोगों के चार समूहों पर परीक्षण से मिला है। खखार परीक्षण के आधार पर देखा गया कि इन तीन दवाइयों का मिश्रण दो सप्ताह के अंदर टीबी के 99 फीसदी बैक्टीरिया का सफाया कर देता है।

उपरोक्त परिणामों के आधार पर जल्दी ही इस दवा मिश्रण के व्यापक परीक्षण होने की संभावना है। यदि परीक्षण सफल रहे तो चार-पांच वर्षों के अंदर हमारे पास एक नई टीबी औषधि होगी। ***(स्रोत फीचर्स)***